सांध्य दैनिक

4PM

अपने लक्ष्य को लेकर महत्वाकांक्षी होने से डरो मत। कड़ी मेहनत कभी रुकती नहीं ना ही तुम्हारे सपने रुकने चाहिए।

-ड्वेन जॉनसन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 194 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 20 अगस्त, 2024

एक शाम 4PM के जश्न... 8 | चुनावी तारीखों के ऐलान के साथ ... 3 | न्याय नहीं दे सकती बीजेपी तो... 2

सत्ता सच को दबा नहीं सकती : अखिलेश

4PM के 60 लाख सब्सक्राइबर पूरे होने पर भव्य कार्यक्रम

» राजनीति, साहित्य व फिल्मी हस्तियों से सजी शाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जितना भी कोशिश कर ले सत्ता सच को दबा नहीं सकती है। ये बातें सपा मुखिया व पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4 पीएम के 60 लाख सब्सक्राइबर पूरे होने के कार्यक्रम में कही।

उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में चैनल के मुखिया व संपादक संजय शर्मा के काम की सराहना करते हुए कहा आपने सरकार के आगे कभी सिर नही झुकाया और यही वजह के आप के सच दिखाने की जिद की वजह से ही अपका चैनल नई ऊंचाईयां छू रहा है और इसी तरह से ये यूं ही आगे बढ़ता रहेगा। इस अवसर पर राजनीति, फिल्म व साहित्य से लेकर कई क्षेत्रों के दिग्गजों ने हिस्सा लेकर शाम को खुशनुमा बनाया। इस कार्यक्रम में 4 पीएम म्यूजिक चैनल का आगाज भी किया गया। इस अवसर पर फिल्मअभिनेत्री स्वरा भाष्कर, निर्देशक अविनाश दास व अभिनेता फसल मलिक मौजूद रहे। पूर्व सीएम ने इस मौके पर 4पीएम की टीम को सम्मानित भी किया।

फोटो :4 पीएम

न्याय नहीं दे सकती बीजेपी तो छोड़े सत्ता : अखिलेश

नारी के आत्मविश्वास को बढ़ाने का होगा काम : सपा प्रमुख

» बोले- भाजपा सरकार ने पिछड़ों और दलितों का आरक्षण छीना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी सरकार व बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कहा कि अगर 69000 शिक्षक भर्ती मामले में रास्ता नहीं निकाल सकते और पिछड़े व दलित वर्ग के शिक्षक अभ्यर्थियों को न्याय नहीं दे सकते तो सत्ता छोड़ दें। भाजपा सरकार ने पिछड़ों और दलितों का आरक्षण छीना है। 69000 शिक्षक भर्ती में पिछड़ों व दलितों को न्याय नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि पिछड़े व दलित वर्ग के सभी नेता भाजपा छोड़कर पीडीए के साथ आएं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार लोगो के साथ भेदभाव कर रही है। संविधान और आरक्षण को नुकसान पहुंचा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर भाजपा सरकार का जीरो टालरेंस का दावा झूठा साबित हुआ है। भाजपा सरकार ने किसानों को नैनो यूरिया खरीदवाया, लेकिन उससे किसानों को कोई फायदा नहीं हुआ। इसमें भी बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। नारी के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए उनके 'आर्थिक सबलीकरण और नारी-सुरक्षा' जैसे विषयों के विविध कार्यक्रमों के माध्यम से उनके चतुर्दिक सशक्तीकरण को सुनिश्चित करने का अति महत्वपूर्ण कार्य करेगी। नारी में 'सुरक्षा की भावना' उसकी शिक्षा की निरंतरता, उसकी कुशलता-समर्थता, सक्रियता व आत्मनिर्भरता और परिवार-समाज में सम्मान के साथ जीने का सुदृढ़ आधार बनती है। नारी जितनी सुरक्षित होगी, उतनी ही उसकी सक्रियता बढ़ेगी और उतना ही उसका आर्थिक योगदान बढ़ेगा और साथ ही उसका पारिवारिक-सामाजिक सम्मान भी और देश-दुनिया के विकास में योगदान भी। उन्होंने कहा कि ये 'आधी-आबादी की पूरी आज़ादी' का अभियान है, जिसके शुभारंभ के लिए 'रक्षा-बंधन' जैसे पावन-पर्व से अच्छा अन्य कोई पर्व और क्या हो सकता है, लेकिन ये कोई एक दिन का पर्व नहीं होगा, बल्कि हर पल, हर जगह, हर दिन सक्रिय रहने वाली जागरूकता का रूप होगा। जो नारी को सुरक्षित रखते हुए, आर्थिक रूप से सशक्त करते हुए एक बड़े सामाजिक-मानसिक बदलाव की ओर ले जाएगा।

उपचुनावों में 10 सीटों पर जीतेगी सपा : अवधेश

समाजवादी पार्टी सभी समाज को लेकर चलती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश के उपचुनाव में 10 सीटों पर समाजवादी पार्टी जीत हासिल करेगी। 2027 के चुनाव में समाजवादी पार्टी सरकार बनाएगी। यह बातें टेही बाजार स्थित निषाद पंचायती मंदिर के वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि सांसद अवधेश प्रसाद ने कही। जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में जितना विकास उत्तर प्रदेश का हुआ था, आज तक किसी भी सरकार ने नहीं किया।

योगी-केशव के निशाने पर अखिलेश

सपा दुष्कर्मियों के साथ : योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोलकाता की घटना और सपा नेताओं की इस पर आ रही प्रतिक्रियाओं पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव को निशाने पर लिया। सीएम योगी ने कहा कि याद करिए वर्ष 2017 से पहले यूपी में हर तीसरे दिन दंगा होता था। बेटी और व्यापारी दोनों की सुरक्षा खतरे में रहती थी। तब की सरकारों को चलाने वाले युवाओं के हक पर डकैती डालते थे। हर नियुक्ति विवादित होती थी। युवाओं के साथ अन्याय होता था। बिना पैसे दिए नौकरी नहीं मिल सकती थी और नौकरी देने में भी भेदभाव होता था। न्यायालय में अपील करनी पड़ती थी। मौजूदा समय में 6.50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई लेकिन इसकी शुचिता और पारदर्शिता पर कोई प्रश्न नहीं खड़ा कर सकता है। योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में युवाओं के साथ कोई खिलवाड़ और अन्याय नहीं कर पाएगा।

यदि किसी ने ऐसा किया तो उसकी प्रॉपर्टी को जब्त करके गरीबों के लिए आवास बनाने का काम करेंगे। भ्रष्टाचारी हो या युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने के साथ बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले दुष्कर्मी, किसी ने भी प्रदेश को अराजकता का अड्डा बनाने का प्रयास किया तो उसकी कीमत उसे चुकानी ही पड़ेगी। सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेता कोलकाता में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के आरोपियों के समर्थन में बयान दे रहे हैं। इनको शर्म करनी चाहिए। ये वही लोग हैं जो कहते थे लड़के हैं, गलती कर देते हैं।

यही मुक्ति का समय : केशव प्रसाद मौर्य

कोलकाता के मसले पर यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने भी अखिलेश पर हमला किया। केशव ने एक्स अकांउट पर लिखा-अखिलेश यादव जी जब 2012 से 2017 तक आप मुख्यमंत्री थे जो दुर्दशा उत्तर प्रदेश की थी, वही बदतर हाल पश्चिम बंगाल में टीएमसी की ममता बनर्जी जी की सरकार ने कर दिया है। यही समय है,सही समय है, सपा मुक्त यूपी,टीएमसी मुक्त पश्चिम बंगाल।

जम्मू-कश्मीर में खुशहाली फिर लाएंगे : उमर

» नेकां ने 12 वादों के साथ जारी किया घोषणापत्र

» अनुच्छेद 370 और राज्य दर्जे की बहाली प्रमुख मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए घोषणापत्र जारी कर दिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने घोषणापत्र जारी करने के बाद कहा कि पार्टी केवल पूरे होने वाले वादे ही कर रही है। उन्होंने घोषणापत्र को नेशनल कॉन्फ्रेंस का दृष्टिकोण पत्र और शासन के लिए रोडमैप बताया।

घोषणापत्र में शामिल 12 वादों में जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 और केंद्र शासित प्रदेश के बिजनेस एक्ट 2019 को फिर से तैयार करने का जिक्र है। घोषणापत्र में मुख्य मुद्दा अनुच्छेद 370 और जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे की बहाली है। इसके साथ ही वर्ष 2000 से पूर्व विधानसभा द्वारा पारित स्वायत्तता प्रस्ताव को लागू करने का वादा किया गया है। पार्टी के घोषणापत्र में युवाओं व महिलाओं को लुभाने की कोशिश की गई है। इसके साथ ही 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा कर आम मतदाताओं को भी अपने पक्ष में करने का प्रयास किया गया है।

सीएम के काम से डरी भाजपा, जेल में डाला: सिसोदिया

» पूर्व डिप्टी सीएम ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर बनाई रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पदयात्रा के तीसरे दिन देवली विधानसभा क्षेत्र की जनता से सीधा संवाद किया। इस दौरान सिसोदिया ने आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के काम से डर कर भाजपा ने उन्हें जेल में डाला। दिल्ली में स्कूल-अस्पताल, बिजली, पानी, महिलाओं का बस में सफर, बुजुर्गों की तीर्थयात्रा मुफ्त है।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जब उनके खिलाफ कुछ नहीं मिला, तो झूठे गवाह तैयार किए और आतंकवादियों पर लगने वाली धाराएं लगाकर जेल में डाल दिया, ताकि जमानत न मिले। वहीं गोपाल राय ने कहा कि केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी बनाई तो पूरी दिल्ली में ऑटो चालक भाइयों को सम्मान मिलने लगा। लोग जानने लगे कि ऑटो चालकों की भी कोई इज्जत होती है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पहले कोई ऑटो चालकों की सुनने वाला नहीं था। 20 अगस्त से पूरी दिल्ली के अंदर ऑटो संवाद अभियान शुरू करना है।

आप ने विधानसभा चुनाव की तैयारी की तेज

आम आदमी पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के जेल से बाहर आने के साथ ही चुनावी गतिविधियां बढ़ गई हैं। सिसोदिया का साथ मिलने से सभी कार्यकर्ता में उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा है। 17 महीने बाद जेल से बाहर आए सिसोदिया पदयात्रा कर सीधे जनता से संवाद कर रहे हैं। पदयात्रा के साथ-साथ संगठन को मजबूत करने का काम भी चल रहा है। सिसोदिया ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति बनाई है। सिसोदिया ने दावा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार से दिल्ली की जनता नाराज है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार चाहती है कि किसी भी तरह से विधानसभा चुनाव तक आप नेताओं को जेल के अंदर बंद रख सके।

यूपी उपचुनाव के लिए बसपा ने कसी कमर

» चन्द्रशेखर आजाद ने घोषित किए तीन उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में होने वाले दस सीटों के उपचुनाव के लिए बसपा ने कमर कस लिया है। बसपा ने दो सीटों पर प्रभारी घोषित किए हैं, जिन्हें प्रत्याशी बनाया जा सकता है। पार्टी ने अयोध्या की मिल्कीपुर सीट से रामगोपाल कोरी और मीरापुर सीट से शाह नजर को प्रभारी बनाया है।

बता दें कि बसपा इससे पहले मझवां से दीपू तिवारी और फूलपुर से शिवबरन पासी को प्रभारी बना चुकी है। वहीं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने 10 सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए तीन प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। पार्टी अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद के निर्देश पर गाजियाबाद सदर सीट से चौधरी सतपाल, मुजफ्फरनगर की मीरापुर सीट से जाहिद हसन और मिर्जापुर की मझवां सीट से धीरज मौर्या को प्रत्याशी बनाया है।

मिल्कीपुर से राम गोपाल होंगे बसपा प्रत्याशी

मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने प्रत्याशी की घोषणा कर दी है। रामगोपाल कोरी बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि रामगोपाल को मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी जिसे विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाती है, वही प्रत्याशी होता है। रामगोपाल इसके पहले वर्ष 2017 में मिल्कीपुर सीट से चुनाव लड़ चुके हैं। तब उन्हें 46,000 वोट मिले थे और वह तीसरे स्थान पर थे।

चुनावी तारीखों के ऐलान के साथ ही मचा घमासान

हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में तैयारी शुरू भाजपा-कांग्रेस समेत कई दलों ने कसी कमर

» सियासी नफे-नुकसान पर चर्चा

» नवंबर-दिसंबर 2014 में हुए आखिरी विधानसभा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दो राज्यों के लिए विधान सभा चुनावों की तारीखों का ऐलान हो चुका है। हरियाणा व जम्मू-कश्मीर के राजनैतिक दलों ने अब अपने को चुनावी मोड में लाना शुरू कर दिया है। दोनों राज्यों के पार्टियों ने चुनाव के लिए तैयारी शुरू कर दिया है। हरियाणा में भाजपा की सरकार है वह तीसरी बार फिर से सत्ता में वापसी के लिए कमर कसेगी। वहीं कांग्रेस इसबार हर हाल में भाजपा को बाहर का रास्ता दिखाने को बेताब है। हरियाणा में मुख्यमंत्री सैनी जनता के बीच जहां चुनाव घोषणा होने से पहले कई बार जा चुके हैं वहीं कांग्रेस के नेता भूपेन्द्र हुड्डा भी बीजेपी पर पलटवार करने का कोई भी मौका नहीं गंवा रहे हैं।

उधर जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद चुनाव हो रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है इसबार चुनाव वहां पर धारा 370 हटने के बाद पहली बारहो रहे हैं, अब देखना होगा कि वहां की परंपरागत पार्टियों को सत्ता सुख मिलता है ये नई पार्टी उभरती है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद जब पहली बार लोकसभा चुनाव गत दिनों हुए तो माहौल बिल्कुल बदला नजर आया। चुनाव में लोगों ने बढ़ चढ़कर भागीदारी की। पिछले 35 साल के मतदान का रिकॉर्ड टूट गया। इतना ही नहीं कश्मीर में अलगाववादी चेहरे, प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी से जुड़े लोगों, आतंकियों के परिवार के सदस्यों ने मतदान में हिस्सा लिया। बाद में तो जमात ने चुनाव में भागीदारी के लिए अपने संविधान में संशोधन की प्रक्रिया शुरू की। यदि सब कुछ ठीकठाक रहा तो कई ऐसे चेहरे निर्दल प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हो सकते हैं। नवंबर-दिसंबर 2014 में आखिरी विधानसभा चुनाव हुए थे, तब जम्मू-कश्मीर राज्य था। उस समय विधानसभा की 87 सीटें थीं, जिसमें चार लद्दाख की थीं। चुनाव के बाद पीडीपी-भाजपा की सरकार बनीं, लेकिन 2018 में भाजपा के समर्थन वापस ले लेने से सरकार गिर गई। इसके बाद से राज्य में राज्यपाल व उप राज्यपाल शासन है। 2019 में अनुच्छेद 370 खत्म हो गया। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश बन गया। विधानसभा की सीटें बढ़कर 90 हो गईं। इनमें जम्मू संभाग में 43 व कश्मीर संभाग में 47 सीटें हैं। जम्मू संभाग में छह सीटें बढ़ीं जबकि कश्मीर में एक। लद्दाख को बिना विधानसभा के केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया गया।

बढ़ रही भाजपा की चुनौती

2014 के लोकसभा चुनाव के पहले भाजपा हरियाणा में कभी बड़ी राजनीतिक ताकत नहीं रही। भाजपा में मोदी युग के आगाज के बाद पार्टी पहली बार इसी साल अपने दम पर बहुमत हासिल कर सरकार बनाने में सफल रही। बीते विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत से चूकी और उसे सरकार बनाने के लिए जेजेपी का सहारा लेना पड़ा। इसके बाद हुए लोकसभा चुनाव में पार्टी को कांग्रेस के हाथों पांच सीटें गंवानी पड़ी।

सभी राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर उपलब्ध हो

फारूक अब्दुल्ला ने क्षेत्र में सभी राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने का आह्वान किया और आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अनुपातहीन लाभ प्राप्त है।उन्होंने जोर देते हुए कहा, भाजपा केंद्र में सत्ता में है और अन्य पार्टियों की तुलना में उसे सभी प्रकार की

सुरक्षा प्राप्त है। निर्वाचन आयोग को निष्पक्षता सुनिश्चित करनी चाहिए। यह पूछे जाने पर की क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस बिना गठबंधन के चुनाव लड़ेगी, उन्होंने कहा, फिलहाल हमने ऐसा निर्णय लिया है। हालांकि, अंतिम निर्णय लेने से पहले हम इस बारे में पार्टी सदस्यों के साथ गहन चर्चा करेंगे। उन्होंने नागरिकों से आगामी पंचायत, नगरीय क्षेत्र और नगर पालिका चुनाव के लिए भी तैयार रहने का आग्रह किया। जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने के विवादास्पद मुद्दे फारूक ने कहा, मुझे इस पर दुख और शर्म महसूस हो रही है।

चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस का नेतृत्व करेंगे फारूक अब्दुल्ला

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के प्रमुख नेता फारूक अब्दुल्ला ने ऐलान किया कि वह 18 सितंबर से तीन चरणों में होने वाले जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। फारूक ने बताया कि वह चुनाव लड़ेंगे जबकि उनके बेटे उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल होने तक चुनाव न लड़ने का फैसला किया है। वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद जम्मू और कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। निर्वाचन आयोग के समय से पहले चुनाव कराने के फैसले का स्वागत करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा, मैं इस निर्णय के लिए ईश्वर का धन्यवाद करता हूं। पहले यह अटकलें थीं कि20 से 25 तारीख के बीच चुनाव कराए जा सकते हैं, इसलिए मुझे खुशी है कि इसे आगे बढ़ा दिया गया। फारूक ने इस बात पर जोर देते हुए कि नेशनल कॉन्फ्रेंस विधानसभा चुनावों के लिए हमेशा तैयार है, कहा, हम लोकसभा चुनाव के लिए भी तैयार थे और हमने अनुरोध किया था कि विधानसभा चुनाव भी उसी समय कराए जाएं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या में मतदान होने की उम्मीद जताते हुए कहा, लोग बड़ी संख्या में चुनाव में हिस्सा लेने के लिए निकलेंगे।

परिसीमन के बाद बदले समीकरण

परिसीमन में तमाम विधानसभा सीटों का सीमांकन बदल गया। कई इलाके काटकर नए विधानसभा से जोड़े गए। इससे चुनावी समीकरण सभी दलों के गड़बड़ा गए हैं। खासकर घाटी में कई दिग्गजों के विधानसभा हलके में बदलाव आ गया है। ऐसे में उनके समक्ष ढेर सारी चुनौतियां होंगी। जम्मू संभाग में मां वैष्णो देवी तथा बाहु के नाम से दो नई सीटें बनीं। इसी प्रकार कश्मीर में चरार-ए-शरीफ सीट बनीं। इन सीटों के पहले विधायक बनने पर भी सभी की नजर है। पहाड़ियों को लंबे संघर्ष के बाद एसटी का दर्जा दिया गया है। इन्हें 10 फीसदी आरक्षण भी मिला है। पहली बार एसटी के लिए विधानसभा की नौ सीटें आरक्षित की गई हैं। इन आरक्षित सीटों में राजोरी-पुंछ में पहाड़ियों की संख्या अधिक है। इसके अलावा घाटी में भी तीन सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं। ऐसे में भाजपा एसटी ट्रंप कार्ड खेल सकती है। हालांकि, लोकसभा चुनाव में यह कार्ड नहीं चल पाया था। भाजपा ने प्रत्याशी तो राजोरी-अनंतनाग सीट से खड़े नहीं किए थे, लेकिन अपनी पार्टी को समर्थन दिया था। एसटी आरक्षण के बाद भी इस सीट पर नेकां प्रत्याशी को भारी बढ़त मिली थी।

कांग्रेस का जाट-दलित समीकरण पर जोर

लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए उत्साहजनक रहे हैं। पार्टी एक दशक बाद राज्य की दस में से पांच सीटें जीती। हालांकि नतीजे के बाद से ही पार्टी में गुटबाजी चरम पर है। एक तरफ सैलजा गुट है तो दूसरी ओर भूपेंद्र हुड्डा गुट।गुटबाजी के कारण कांग्रेस ने किसी को चेहरा बनाने से परहेज बरता है। पार्टी की रणनीति 22 फीसदी जाट और 21 फीसदी दलित मतदाताओं को साधे रखने की है।

जेजेपी-इनेलो के लिए करो-मरो का सवाल

बीते चुनाव में जेजेपी 10 सीटें जीतकर किंगमेकर बनकर उभरी थी। जेजेपी मुखिया दुष्यंत चौटाला देवीलाल की विरासत पर खरे उतरने में सफल रहे थे। हालांकि भाजपा से गठबंधन और टूटने के क्रम में पार्टी में अंतर्विरोध चरम पर है। वहीं, इनेलो पिछले चुनावों में प्रभाव छोड़ने में असफल रही है।

हरियाणा में जातीय गाणित

राज्य में जाट 22 फीसदी,दलित 21 फीसदी,ओबीसी 30 फीसदी,ब्राह्मण 8 प्रतिशत,वैश्य 5 फीसदी,पंजाबी 8 फीसदी, राजपूत 3.5 फीसदी।

हरियाणा में भाजपा की होगी हैट्रिक या कांग्रेस का खत्म होगा सूखा

हरियाणा में भाजपा की हैट्रिक होगी या फिर कांग्रेस का सूखा खत्म होगा। इसके अलावा यह चुनाव जननायक जनता पार्टी (जेजेपी), इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो), हरियाणा लोकहित पार्टी (हलोपा) जैसे छोटे दलों के लिए अस्तित्व का सवाल है। इस बार बेहद बदली परिस्थितियों में हो रहे हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे कई अहम सवालों का जवाब देंगे। चुनाव में भाजपा के सामने जीत की हैट्रिक लगा कर सत्ता बचाए रखने की चुनौती है तो कांग्रेस के सामने गुटबाजी से ऊपर उठ कर हार का सूखा खत्म करने की।ओबीसी बिरादरी के नए सीएम नायब सिंह सैनी अपनी बिरादरी को साधने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। उन्होंने सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदने सहित कई अन्य अहम घोषणा की है। पार्टी अपनी सारी ताकत ओबीसी और अगड़ा वर्ग को साधने में लगा रही है। इसके अलावा यह चुनाव जननायक जनता पार्टी (जेजेपी), इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो), हरियाणा लोकहित पार्टी (हलोपा) जैसे छोटे दलों के लिए अस्तित्व का सवाल है। चंद महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव ने भाजपा के लिए खतरे की घंटी बजाई थी। लोकसभा चुनाव से पहले नेतृत्व परिवर्तन के बावजूद पार्टी ने कांग्रेस के हाथों दस में से पांच सीटें गंवा दीं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कांवड़ यात्रा समाज के ताने-बाने को करते हैं मजबूत!

19 तारीख को सावन का अंतिम सोमवार है। इसी के साथ शिवभक्तों द्वारा जारी कांवड़ यात्रा भी समाप्त हो जाएगी। शुरुआत यूपी के एक आदेश से विवादों में आई यात्रा अंत होते-होते पूरे भक्तिमय माहौल में समाप्त हो रही है। इसबीच विचार करने वाली बात यह है कि यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था ही नही है भारतीय समाज के ताने-बाने को भी प्रतिविंवित करता है। इस यात्रा में भगावान भोले नाथ के लिए सभी धर्मों व जातियों की ओर से हर प्रकार का सहयोग किया जाता है। यह यात्रा समाज को तो जोड़ता ही हैआर्थिक रूप से भी लोगों को लाभ पहुंचाता है। कांवड़ की छोटी बड़ी दो हजार से अधिक सीजनल दुकानें हैं जिनसे कई लाख लोगों को रोजगार मिलता है। इस कांवड़ यात्रा में एक और खास बात यह भी देखने में आ रही है कि इसमें 10 वर्ष से 45 वर्ष तक के बालकों, के साथ में युवाओं व युवतियों का रुझान अधिक बड़ा है।

इस यात्रा में भगावान भोले नाथ के लिए सभी धर्मों व जातियों की ओर से हर प्रकार का सहयोग किया जाता है। यह यात्रा समाज को तो जोड़ता ही हैआर्थिक रूप से भी लोगों को लाभ पहुंचाता है। कांवड़ की छोटी बड़ी दो हजार से अधिक सीजनल दुकानें हैं जिनसे कई लाख लोगों को रोजगार मिलता है। इस कांवड़ यात्रा में एक और खास बात यह भी देखने में आ रही है कि इसमें 10 वर्ष से 45 वर्ष तक के बालकों, के साथ में युवाओं व युवतियों का रुझान अधिक बड़ा है।

इस कांवड़ यात्रा में जातियों का समीकरण देखने से पता चलता है कि इसमें उच्च जातियों का प्रतिशत काफी कम है। सामाजिक-आर्थिक आंकड़े बताते हैं कि वर्तमान में मध्यम एवं निम्न वर्गों के बीच कांवड़ यात्रा का आकर्षण अधिक दिखाई पड़ रहा है। इनके अतिरिक्त इस कांवड़ यात्रा के प्रति उन युवाओं का आकर्षण अधिक दिखाई पड़ रहा है, जिनमें शिक्षा का कम प्रभाव, धार्मिक आस्था के प्रति सघन लगाव, सामुदायिक भावना का गहन आन्तरीकरण, वर्गीय चेतना एवं श्रमसाध्य जीवन जैसे गुणों की बाहुल्यता अधिक है। आज जिस तरह मीडिया ने धर्म व धार्मिक आस्था को उपभोक्तावाद से जोड़ा है, उससे भी कांवड़ यात्रा बाजार का हिस्सा बन गयी है। कांवड़ यात्रा के प्रति आकर्षित होने वाले इन युवाओं में शवभक्त बनने की धार्मिक प्रवृत्ति तो है, परन्तु पिछले दिनों इनकी जीवन शैली में जिस प्रकार भीड़-उन्मुख आक्र ामक शैली का प्रस्फुटन हुआ है, उससे इन कांवड यात्राओं का चरित्र थोड़ा बदलता प्रतीत हो रहा है। आज के इन मध्यम वर्गीय युवाओं के लिए धर्म एवं धार्मिक विश्वास,उनकी सांसारिक एवं भौतिक लक्ष्यों की पूर्ति का साधन अधिक बन रहें है वहीं दूसरी ओर ये कांवड़ यात्रायें अब मौज मस्ती के साथ-साथ एडवेंचरका भी एक लक्ष्य बनकर उभर रहीं हैं। हालांकि जिस तरह से यात्रा के नाम पर कहीं अराजकता दिखाई दी वह कदापि उचित नहीं है। इसलिए कांवड़ियों को भी सजग होना होगा और जिम्मेदारी निभानी होगी कि उनके कृत्य से किसी को भी ठेस न पहुंचे। साथ उन नेताओं को भी अपने को संयमित करना होगा जो आस्था के नाम लोगों को भड़काने का काम करते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मांओं के उद्गार से मनुष्यता गौरवान्वित

विश्वनाथ सचदेव

इस बार ओलंपिक में भाला फेंक प्रतियोगिता में भारतीय प्रतियोगी नीरज चोपड़ा रजत पदक ही जीत पाया। प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक पाक खिलाड़ी अरशद नदीम के हिस्से में आया। लेकिन पदकों के बजाय कहीं अधिक महत्व इस बात को मिला कि दोनों खिलाड़ियों की माताओं ने अपनी प्रतिक्रिया में इसे रेखांकित किया कि भारतीयों और पाकिस्तानियों के आपसी रिश्ते पदक से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। स्वर्ण पदक विजेता पाक खिलाड़ी अरशद नदीम की मां ने यह कहना जरूरी समझा कि हिंदुस्तान का नीरज भी उन्हें अपने ही अरशद जैसा लगता है। उनके शब्द हैं, 'खुशी है कि अरशद जीता, पर नीरज भी मेरे बेटे जैसा है। वह अरशद का दोस्त भी है। हार-जीत तो होती ही रहती है। मैंने उसके लिए भी दुआ की थी।'

उधर भारत में नीरज की माताजी ने भी अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'हम बहुत खुश हैं। हमारे लिए तो सिल्वर भी गोल्ड जैसा है। गोल्ड जीतने वाला भी हमारा ही लड़का है, मेहनत करता है।' 'नीरज मेरे बेटे जैसा है', 'जीतने वाला (नदीम) भी हमारा ही लड़का है', यह दो छोटे-छोटे वाक्य अपने भीतर बहुत कुछ छुपाए हुए हैं। हर मां अपने बेटे की जीत के लिए दुआ मांगती है, पर उसके प्रतिद्वंद्वी के लिए भी दुआ मांगना सहज नहीं होता। पर भारत और पाकिस्तान की इन दो माताओं ने एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिस पर मनुष्यता गौरवान्वित अनुभव कर सकती है। पाकिस्तानी खिलाड़ी शोएब अख्तर ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा है, 'गोल्ड जिसने जीता है वह भी हमारा बेटा है', यह बात सिर्फ एक मां ही कह सकती है। इस बारे में नीरज से पूछा गया तो उनका उत्तर था 'मेरी मां गांव से ताल्लुक रखती है। वहां ज्यादा मीडिया नहीं है, इसलिए वहां के लोग जो कहते हैं दिल से कहते हैं। मेरी मां को दिल से जो भी महसूस हुआ, उन्होंने कहा।' आज जबकि दुनियाभर के देशों में सांप्रदायिक उन्माद सिर उठाता दिख रहा है, एक-दूसरे के लिए अपनापन महसूस करना बहुत सारी गंभीर समस्याओं का समाधान दे सकता है। यहां सवाल है, उस बीमार सोच का जो किसी नीरज और नदीम को एक- दूसरे से जुड़ने का अवसर नहीं देना चाहता। इन दो माताओं ने अपने दिल की बात कह कर एक रास्ता दिखाया है दुनिया को, जो अमन की मंजिल तक पहुंचा सकता है। इंसानियत का वास्ता देकर

धर्म के नाम पर लड़ने की निरर्थकता का अहसास करा सकता है। अपने ही देश में देखें तो सांप्रदायिकता की आग को भड़काने वाले लगातार सक्रिय होते रहते हैं। धर्म के नाम पर सांप्रदायिकता की एक पट्टी बांध लेते हैं हम अपनी आंखों पर, और फिर हमें साफ दिखाई नहीं देता। एक अंधापन-सा छा जाता है हमारे विवेक पर। इस अंधत्व के चलते हम यह समझना ही नहीं चाहते कि आज जिस धर्म के नाम पर हम जीने-मरने की कसमें खा रहे हैं, वह मनुष्यता का उजाला दिखाने वाला एक रास्ता था जो हमारे आदि-पुरुषों ने खोजा-बनाया था। मनुष्यता की जय-यात्रा में किसी एक या दूसरे धर्म का होना मायने नहीं रखता, हमारा आदमी होना माने रखता है। आदमी वह जो हर कदम विवेक की कसौटी पर कस कर आगे बढ़ाये। नदीम और नीरज की माताओं ने हमें रास्ता दिखाया है। यह भाई-चारे का रास्ता है, जो व्यक्ति को हिंदू या मुसलमान नहीं, इंसान समझने की मंजिल तक पहुंचा सकता है। गोपाल दास नीरज ने लिखा है, 'अब तो कोई मजहब ऐसा भी चलाया जाये/ जिसमें इंसान को इंसान बनाया जाये।' एक कवि की यह पुकार सच कहें तो एक चेतावनी है। यदि हम आज नहीं संभले तो हमारा आने वाला कल हैवानियत के अंधेरे में कहीं खो जायेगा। जरूरत है अपने भीतर की इंसानियत को बचाये रखने की, ताकि इंसान बचा रह सके। दुर्भाग्य से, आज हमारी राजनीति आग लगाने के हुनर का नाम हो गयी है, इस राजनीति को बदलने की, इससे उबरने की जरूरत है। आज बांग्लादेश में जो कुछ होता दिख रहा है वह पूरा सच नहीं है। आज भी वहां ऐसे तत्व हैं जो मंदिरों पर हमलों को स्वीकार नहीं कर पा रहे, जो यह मानते हैं कि धर्म के नाम पर नागरिकों को बांटकर हम इंसानियत को टुकड़ों में बांट रहे हैं। इंसानियत को बचाना है तो हम सबको अपने भीतर मां का दिल जगाना होगा।

हर मां अपने बच्चों का भला ही चाहती है, पर हर सच्ची मां के लिए दूसरे का बच्चा भी अपना ही बच्चा होता है। दूसरे के बच्चे को भी अपने बच्चे जैसा समझना एक ऐसा मंत्र है जो हमें सांप्रदायिकता की आग से उबार कर मनुष्यता की राह पर चलना सिखा सकता है। सही मायनो में आग लगाने के नहीं, आग बुझाने के हुनर को सीखना होगा हमें। मैं दुहराना चाहता हूं, यह सीखने के लिए हमें अपने भीतर मां का दिल जगाना होगा, यह समझना होगा कि धर्म के नाम पर जिसे पराया माना जा रहा है, जिस पर हाथ उठाया जा रहा है, वह भी किसी मां का बेटा है।

दक्षिण एशिया अग्रणी अवसर का लाभ उठाये

ले. जन. एसएस मेहता

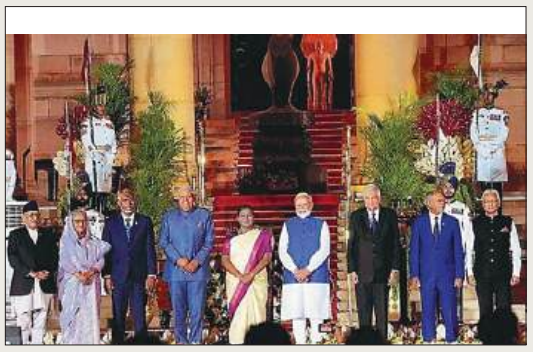

वर्ष 1971 में, हमारा नजरिया था कि जब पड़ोस में नागरिक नरसंहार का हमला झेल रहे हों, तब एक स्थाई राजनीतिक समाधान बनाने को हमारी जिम्मेवारी बन जाती है कि घिरे लोगों को साथ जोड़कर, उन्हें मुक्त करवाएं। यह दखलअंदाजी मानवीय आधार पर थी। उस वक्त पाकिस्तानी सेना का आत्मसमर्पण संयुक्त कमान के सामने था। मुक्ति दिलवाने के अलावा इस घटना ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर में समसामयिक संशोधन भी करवाया, जब संयुक्त राष्ट्र ने 'बचाने की जिम्मेवारी' सिद्धांत की नई व्याख्या जोड़ी। माइकेल वाल्जर के मौलिक लेखन कार्य 'उचित और अनुचित युद्ध' के मुताबिक देखें तो यह एक 'उचित युद्ध' था।

वैसे भी, टकराव वाली परिस्थिति में, सैन्य शासन से कहीं बेहतर विकल्प लोकतांत्रिक प्रशासन होता है, विशेषकर जब बर्बरता का सामना मानवीयता से करना हो- और यही हमारा मूल सिद्धांत है। इसके अलावा, दुनिया ने यह भी होते देखा कि धार्मिक अपवादिता के होते हुए भी, समानता और मानवीय गरिमा के लिए लड़ाई सर्वोपरि है, बाकी सब इससे नीचे। आधी सदी बाद, 2024 में, अब वक्त है इसको और विस्तार देने का क्योंकि संसार बदल चुका है। हमारे प्रधानमंत्री के कहे शब्द- 'यह युग युद्धों का नहीं है'- की प्रतिध्वनि के अनुसार, वक्त है राह फिर से तय करने का। जिस पटल पर काम होना है वह बहुत विस्तृत हो चुका है। हमारे पास-पड़ोस के बड़े हिस्से की भांति बांग्लादेश का आंदोलन दक्षिण एशिया और विश्व के ज्यादातर हिस्सों के लिए नया मोड़ है। दुनियाभर में घटित घटनाएं याद दिलाती हैं कि 'सुरक्षा को खतरे' की वेदी पर शांति, समृद्धि और विकास की बलि नहीं चढ़ाई जा सकती, चाहे 'खतरा' वास्तविक हो या आभासीय। कोविड-19, पर्यावरणीय बदलाव और युद्ध पहले ही काफी नुकसान कर चुके हैं, इनमें आखिरी दो में प्रतिदिन बढ़ोतरी होती देखी जा रही है। सबसे बदतर स्थिति अभी आनी बाकी है।

प्रत्येक मामले में सबसे बड़ा घाटा नागरिकों का है। धुर केंद्र में नागरिक को रखकर उसके इर्द-गिर्द सुरक्षा आवरण बनाने की जरूरत है वरना तंत्र ढह जाएगा। भौतिक लाभ एवं क्षेत्र नागरिक को प्रमुख रखने की जगह नहीं ले सकते। बेशक, इलाका आत्म-सम्मान से जुड़ा है और इससे समझौता स्वीकार्य नहीं होता, लेकिन कोई समय कभी ऐसा भी होता है, जब नागरिक की प्रमुखता सबसे अधिक स्थान ले लेती है। वह वक्त अब है। प्रत्येक लोकतंत्र इस घड़ी का इस्तेमाल आत्मविश्लेषण करने के लिए करे, स्व-सुधार लागू करे और फिर 'दुनिया एक है' सिद्धांत को समझाने एवं उदाहरण प्रस्तुत करने वाली राह बनाने में सहायक हो। कुंजी है 'अनेकता में एकता' और नागरिक कल्याण, किसी भी अन्य चीज से ऊपर, जो एक निर्वाचित सरकार का पहला दायित्व है। हम खुशनसीब हैं कि हमारी नींव की जड़ में विविधता है। हमने लोकतंत्र संजोकर रखा है।

चूंकि इस इलाके में आकार एवं अर्थव्यवस्था के लिहाज से हम सबसे विशाल हैं, इस नाते हमारी जिम्मेवारियां भी बड़ी हैं। हमें इन पलों को आत्मसात करना होगा और दक्षिण एशिया को 'ज्ञान का शक्तिकेंद्र' बनाने में सहायक बनना होगा-सबकी भलाई के वास्ते, पहले देश के भीतर और फिर सीमाओं से परे योगदान। हर तरफ युवा इसे हाथों-हाथ लेंगे- बशर्ते उन्हें इसकी छुअन सभ्यात्मक लगे न कि व्यापारिक इरादे से सनी, किंतु यह सैद्धांतिक और मूल्यों पर आधारित हो। क्रांति के बजाय एक पुनर्जागरण की तरह, जैसे हम लहर को अपनी-पराई हर किश्ती को ऊपर उठाते देखते हैं। आज हमारे तमाम पड़ोसी तिराहे पर खड़े हैं -इस क्षेत्र के कुल 200 करोड़ लोगों के हितों के आलोक में, हमारी जिम्मेवारी साझी है। यदि 140 करोड़ लोगों का देश भारत अगुवाई नहीं करेगा, तो दुनिया के सैन्य-औद्योगिक परिसर अपना स्थान बना लेंगे -और फिर दावत उड़ाएंगे- क्योंकि हम सभ्यात्मक स्तर पर एकता नहीं बना पाए। अब हमें एक मंच बनाने की जरूरत है 'दक्षिण एशिया शांति, समृद्धि, लोकतांत्रिक क्षेत्र', जिसमें प्रत्येक सदस्य को हक हो कि यदि चाहे तो किसी अन्य संगठन की सदस्यता भी ले ले, लेकिन इस प्रावधान के साथ कि यह करना इलाके के लोकतांत्रिक हितों के विरुद्ध न हो।

कोई ऐसा मंच बनाया जाए, जिससे कि दक्षिण एशिया में संवाद और सहयोग जड़ पकड़े, इस पर हमारी दुविधा रही है। वर्ष 1999 से भारत की 'सीका' (कांफ्रेंस ऑन इंटरएक्शन एंड कॉन्फिडेस-बिल्डिंग मेजर्स इन एशिया) में भागीदारी इसी सोच पर आधारित थी। हमारी तरजीह द्विपक्षीय राजनयिक रिश्ते बनाने पर रही है, हालांकि कई बार इसका परिणाम नकारात्मक रहा, अगस्त 2021 में काबुल में जो अनुभव मिला, वही आगे चलकर श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और अब बांग्लादेश में भी पाया, इन सबने यही दर्शाया है। शायद एक दक्षिण एशियाई मंच उन पड़ोसियों में 'चालबाज' को बुलाने में सहायक हो, जो 'कहीं और उपस्थिति जरूरी है' वाली धमकी का इस्तेमाल औरों से खेल करने में करता है। विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और जल्दी ही संसार की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते, दुनिया के सामने आदर्श प्रस्तुत करने में हमारी जिम्मेवारी है कि दक्षिण एशिया का झंडा बुलंद करने में सहायक बनें।

डिप्रेशन से बचने के लिए करें ये उपाय

आज के समय में लोगों की जिंदगी एक मशीन की तरह हो गई है, जो हर समय काम में लगी रहती है। यह व्यस्तता हमें डिप्रेशन यानी अवसाद की ओर ले जा रही है। इस समय हर दूसरा व्यक्ति डिप्रेशन का शिकार हो रखा है। जिसकी वजह से इसका असर उसकी सेहत पर देखने को मिल रहा है। डिप्रेशन के कारण इंसान की सोचने और समझने की क्षमता प्रभावित होती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक़ पिछले एक दशक में डिप्रेशन के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। डिप्रेशन से उबरने के लिए इसके लक्षणों और संकेतों को समझना बहुत ज़रूरी है। क्योंकि हम इस बारे में तभी मदद मांग सकते हैं, यदि हमें सही समय पर पता चल सकेगा कि हमारी जिंदगी में सबकुछ सही नहीं चल रहा है। यदि आपको डिप्रेशन से बचना है तो इस बारे में खुलकर बात करें। रोजमर्रा की जिंदगी में छोटे-छोटे बदलाव लाते हुए खुद को व्यवस्थित कर लीजिए। खुद को समय दें और अपने शरीर को भी।

म्यूजिक सुनें

जब लोग डिप्रेशन में होते हैं तो उन्हें संगीत सुनकर अच्छा लगता है। जब भी व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान हों तो उसे अपना पसंदीदा गाना सुनना चाहिए। संगीत में मूड बदलने, मन को अवसाद से निकालने की अद्भुत शक्ति होती है। जब लोग अवसादग्रस्त होते हैं तो अच्छा संगीत सुनकर उन्हें अच्छा लगता है। यह तथ्य कई वैज्ञानिक शोधों द्वारा प्रमाणित हो चुका है। तो जब भी मानसिक रूप से परेशान हों तो अपना पसंदीदा गाना सुनें। संगीत में मूड बदलने, मन को अवसाद से निकालने की अद्भुत ताकत होती है। वैसे आप एक चीज का ख्याल रखें, जरूरत से ज्यादा गम में डूबे हुए गाने न सुनें, क्योंकि ऐसा करने से आपका डिप्रेशन अगले लेवल पर पहुंच जाएगा।

डिप्रेशन के कारण इंसान की सोचने और समझने की क्षमता प्रभावित होती है।

अच्छी नींद लें

एक अच्छी और पूरी रात की नींद हमें सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है। जो लोग रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद नहीं लेते तो उन लोगों में डिप्रेशन का खतरा अधिक होता है। इसलिए व्यस्तता के बावजूद अपनी नींद से समझौता न करें। नींद की कमी मस्तिष्क को भी प्रभावित करती है। छोटी उम्र में नींद की कमी की समस्या अवसाद यानी डिप्रेशन का कारण बन सकती है। शोध में पाया गया है कि जो खराब नींद का अनुभव करते हैं, उनके आगे के जीवन में मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। नींद की कमी मस्तिष्क की भावनाओं, सोच और सोच को संतुलित करने की क्षमता को बाधित करती है और इससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं की आशंका बढ़ जाती है।

व्यायाम करें

हर किसी को अपनी सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए अच्छा खानपान और व्यायाम जरूरी है। व्यायाम डिप्रेशन को दूर करने का सबसे अच्छा तरीक़ा है। जब हम व्यायाम करते हैं तब सेरोटोनिन और टेस्टोस्टेरोन जैसे हार्मोन्स रिलीज़ होते हैं, जो दिमाग़ को स्थिर करते हैं। डिप्रेशन को बढ़ाने वाले विचार आने कम होते हैं। योग हमारे दिमाग को स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए भी योगा काफी फायदेमंद होता है। दरअसल, दिमाग शरीर को एक कॉम्प्लेक्स पार्ट है जो लाखों टिश्यू से मिलकर बना है। ऐसे में अगर आप खास योग और आसनों को अपने बिजी लाइफ स्टाइल से कुछ समय निकालकर करें तो आपकी कई मानसिक समस्याएं अपनेआप ठीक हो सकती हैं। इन योग की मदद से आपकी मेमोरी पावर बढ़ेगी और आप तनाव में भी बेहतर महसूस करेंगे। यही नहीं, तनाव, डिप्रेशन, एंजायटी, बेचैनी जैसी समस्याओं को भी आप इन योगासनों की मदद से दूर कर सकते हैं।

हंसना मना है

एक बुढ़िया का दामाद बहुत हीं काला था। सास- दामाद जी आप तो 1 महीना यहां रुको दूध, दही खाओ। मौज करो आराम से रहो यहां। दामाद - अरे वाह सासु मां आज बड़ा प्यार आ रहा है मुझ पे। सास- अरे प्यार व्यार कुछ नहीं कलमुहे? वो हमारी भैंस का बच्चा मर गया, कम से कम तुम्हें देख कर दूध तो देती रहेगी।

एक आदमी रात को गली के सामने खड़ा था। वहां के चौकीदार ने देखा तो कड़क कर पूछा कौन हो तुम यहां क्या कर रहे हो? आदमी बोला, मेरा नाम शेर सिंह है। चौकीदार- बाप का नाम क्या है? आदमी - शमशेर सिंह। चौकीदार- कहां रहते हो? आदमी- शेरों वाले मोहल्ले में। चौकीदार- तो इतनी रात में यहां खड़े क्या कर रहे हो, जाओ अपने घर जाओ? आदमी- कैसे जाऊं, आगे कुत्ते भौंक रहे हैं।

शादी के पहले साल, पति- जानू संभलकर उधर गड्ढा है। दूसरे साल- अरे यार देख कर उधर गड्ढा है। तीसरे साल- दिखता नहीं, उधर गड्ढा है। चौथे साल- अंधी है क्या, गड्ढा नहीं दिखता? पांचवे साल- अरे उधर कहां मरने जा रही है, गड्ढा है इधर है।

कहानी | कर भला तो हो भला

गुप्ता जी की दुकान कस्बे से दूर एकदम वीराने में थी जहां के लिए साधन यदा कदा ही मिलता था, तो अक्सर लिफ्ट या पैदल ही घर आते थे। धीरे धीरे कुछ जमापूंजी इकट्ठा कर, उन्होंने एक स्कूटर ले लिया। और प्रण लिया कि वो कभी किसी को लिफ्ट के लिए मना न करेंगें। अब गुप्ता जी रोज अपने चमचमाते स्कूटर से दुकान जाते, और रोज कोई न कोई उनके साथ जाता। एक रोज एक व्यक्ति ने लिफ्ट मांगी तो उन्होंने दे दी कुछ दूर चलने के बाद उस व्यक्ति ने चाकू निकाल गुप्ता जी की पीठ पर लगा दिया। जितना रुपया है वो, और ये स्कूटर मेरे हवाले करो। गुप्ता जी की सिट्टी पिट्टी गुम, डर के मारे स्कूटर रोक दिया। और निवेदन किया कि तुम कभी किसी को ये मत बताना कि ये स्कूटर तुमने कहां से और कैसे चोरी किया, विश्वास मानो मैं भी रपट नहीं लिखउंगा। व्यक्ति बोला क्यों? क्योंकि यह रास्ता बहुत उजड्ड है, निरा वीरान। सवारी मिलती नहीं, उस पर ऐसे हादसे सुन आदमी लिफ्ट देना भी छोड़ देगा। व्यक्ति का दिल पसीजा, उसे गुप्ता जी भले मानुष प्रतीत हुए, पर धंधा तो धंधा होता है। ठीक है कहकर- वह व्यक्ति स्कूटर ले उड़ा। अगले दिन गुप्ता जी सुबह सुबह अखबार उठाने दरवाजे पर आए, दरवाजा खोला तो स्कूटर सामने खड़ा था। गुप्ता जी की खुशी का ठिकाना न रहा, दौड़ कर गए और अपने स्कूटर को बच्चे जैसा प्यार करने लगे, देखा तो उसमें एक कागज भी लगा था। गुप्ता जी, यह मत समझना कि तुम्हारी बातें सुन मेरा हृदय पिघल गया। मैंने सोचा कबाड़ी वाले के पास बेच दूँ। कबाड़ी बोला- अरे ये तो गुप्ता जी का स्कूटर है, तो मैं बोलो गुप्ता जी ने मुझे बाजार कुछ काम से भेजा है - कहकर मैं बाल बाल बचा। फिर मैं एक हलवाई की दुकान गया, तो हलवाई बोला अरे ये तो गुप्ता जी का स्कूटर है तो मैं बोला हाँ, उन्हीं के लिये तो ये सामान ले रहा हूं, फिर मैंने सोचा कस्बे से बाहर जाकर कहीं इसे बेचता हूं। शहर के नाके पर एक पुलिस वाले ने मुझे पकड़ लिया। कहां, जा रहे हो और ये गुप्ता जी का स्कूटर तुम्हारे पास कैसे - वह मुझ पर गुर्राया। किसी तरह उससे भी बहाना बनाया। हे,गुप्ता जी तुम्हारा यह स्कूटर है या आमिताभ बच्चन। सब इसे पहचानते हैं। आपकी अमानत मैं आपके हवाले कर रहा हूं, इसे बेचने की न मुझमें शक्ति बची है न हौसला। आपको जो तकलीफ हुई उस एवज में स्कूटर का टैंक फुल करा दिया है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें।

वृषभ

कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मिथुन

धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क

बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

सिंह

कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

कन्या

रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। झंझटों से दूर रहें।

तुला

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा।

वृश्चिक

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है।

धनु

जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मकर

किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी। प्रमाद न करें।

कुम्भ

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

मीन

आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

बिग बी ने तमाम कयासों के बीच ली काम से छुट्टी

अमिताभ बच्चन इन दिनों 'कौन बनेगा करोड़पति 16' को लेकर चर्चा में हैं। वह शो को होस्ट कर रहे हैं और कंटेस्टेंट्स के मस्ती भरे अंदाज में गेम को एन्जॉय कर रहे हैं। साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ के जुड़े किस्से और अनुभवों को शेयर कर रहे हैं। 'केबीसी 16' के बिजी शेड्यूल के बाद भी अमिताभ लिखने से नहीं चूक रहे हैं। उन्होंने अपने ब्लॉग में बताया कि स्वतंत्रता दिवस को फैमिली संग एन्जॉय करने के लिए उन्होंने एक दिन की छुट्टी ली। उन्होंने छुट्टी वाले दिन अपने कई पेंडिंग काम भी निपटाए। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा, एक अच्छा दिन। शरीर पर काम करते हुए। और परिवार के साथ बिताया। वह अजीब छुट्टी का दिन जब सभी पेंडिंग कामों को पूरा करने की जरूरत होती है। पिछले कुछ दिन स्टूडियो में बहुत बिजी रहे हैं, इसलिए एक लंबा ब्लॉग नहीं लिख पा रहा हूं। लेकिन आने वाले दिनों में उम्मीद है कि कनेक्ट करने और ब्लॉग पर समय बिताने के लिए थोड़ा और समय निकाला जाएगा। अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा, हम सभी के लिए प्रेरणा हमेशा से दर्शक और उनका प्यार रहा है, या उनकी कमेंट्स जो ज्यादा ध्यान देने की मांग करते हैं और उनके कमेंट्स का जबाव देने का हमेशा प्रयास किया जाता है। और यह जारी रहेगा। आप हमें बनाते हैं, हम आपके लिए क्या बनाते हैं 'केबीसी 16' की बात करें तो इसका पहला एपिसोड सोमवार को ऑन एयर हुआ। बिग बी ने सीजन के पहले कंटेस्टेंट को हॉट सीट पर लाने से पहले, उन सभी लोगों के साथ एक इमोशनल मैसेज शेयर किया जिन्होंने उनकी कौन बनेगा करोड़पति की पूरी जर्नी को देखा और सपोर्ट किया है। उनके मैसेज ने पूर ऑडियंस को इमोशनल कर दिया।

फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' से बाहर हुए विजय

साल 2012 की सुपरहिट फिल्मों से एक रही 'सन ऑफ सरदार' के सीक्वल की शूटिंग चल रही है। फिल्म की शूटिंग के साथ-साथ यह विवादों में घिर गई है। फिल्म की शूटिंग ब्रिटेन में हो रही है। शूटिंग में संजय दत्त शामिल नहीं हो सके क्योंकि उनका वीजा रद्द कर दिया गया। फिल्म में अहम किरदार निभाने वाले विजय राज को भी फिल्म से निकाल दिया गया है। उनपर वर्किंग स्टाफ के साथ संग उचित व्यवहार नहीं करने का आरोप लगा है। जबकि उनके स्पॉट बॉय पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है।

'सन ऑफ सरदार 2' के को-प्रोड्यूसर कुमार मंगत पाठक ने कहा कि विजय राज ने शूटिंग के दौरान कई अनुचित मांगें कीं, जिसमें बड़े कमरे, प्रीमियम वैनिटी वैन और अपने स्पॉट बॉय के लिए ज्यादा फीस भी शामिल है। उन्होंने खुलासा किया कि स्थिति असहनीय हो गई, जिसके कारण विजय को फिल्म से निका दिया गया।

कुमार मंगत पाठक ने कहा कि विजय राज एक प्रीमियर कमरा मांग रहे थे, जबकि सबके लिए स्टैंडर्ड रूम बुक किए गए हैं। इसके अलावा वह अपने स्पॉट बॉय के लिए एक दिन के 20 हजार रुपए की मांग कर रहे थे, जो बड़े स्टार के स्पॉट बॉय से भी ज्यादा है। कुमार ने कहा कि विजय को इससे भी गंभीर मामले को लेकर निकलना पड़ा।

कुमार मंगत पाठक ने कहा कि विजय राज के स्पॉट बॉय एक गंभीर घटना में शामिल थे। उस स्पॉट बॉय ने नशे में धुत होकर एक होटल महिला कर्मचारी का यौन उत्पीड़न किया। पाठक ने कंफर्म किया कि विजय राज जो रोल निभा रहे थे, वह अब संजय मिश्रा निभाएंगे। वहीं, विजय राज ने कुमार मंगत पाठक के आरोपों को गलत बताया है।

स्त्री-2 की सफलता पर गदगद हुईं कंगना डायरेक्टर अमर कौशिक की जमकर की तारीफ

कंगना रनौत इन दिनों अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' का प्रमोशन कर रही हैं। इस प्रमोशन के बीच में उन्होंने 15 अगस्त को रिलीज हुई हॉरर कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर रिएक्ट किया है। श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म जबरदस्त कमाई कर रही है।

कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया है। एक्ट्रेस ने पोस्ट में लिखा- 'फिल्म स्त्री-2 ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, पूरी टीम को बधाई। लेकिन फिल्म का असली हीरो उसका डायरेक्टर होता है। भारत में हम निर्देशकों की तारीफ नहीं करते हैं। न ही उन्हें फिल्म के हिट होने पर श्रेय देते हैं। इसलिए बहुत सारे युवा, लेखक या निर्देशक नहीं, बल्कि एक्टर बनना चाहते हैं। फिल्मों में करियर बनाने की चाहत रखने वाले जितने भी व्यक्ति आज तक मुझसे मिले हैं वे या तो अभिनेता बनना चाहते हैं या सुपरस्टार। अगर सभी अभिनेता बन जाएंगे तो फिल्में कौन बनाएगा। सोचो।' 'स्त्री 2' ने रिलीज के दूसरे दिन, अपने नेट टोटल में 30 करोड़ रुपये कमाए हैं, जिससे नेट कलेक्शन 90.3 करोड़ रुपये हो गया। 'स्त्री 2' ने रिलीज के पहले दिन 76.5 करोड़ का ग्रास कलेक्शन किया था। रिलीज के दूसरे दिन फिल्म ने 30 करोड़ का कलेक्शन किया। 'स्त्री 2' के दो दिनों का कुल कारोबार 106.5 करोड़ रुपये हो गया है।

अमर कौशिक के लिए लिखा खास मैसेज

कंगना ने 'स्त्री 2' के निर्देशक अमर कौशिक की तारीफ की और उनके लिए खास मैसेज लिखा है। कंगना ने लिखा- 'इसलिए उन अच्छे निर्देशकों के बारे में पढ़िए जो आपको एंटरटेन करने के लिए इतनी मेहनत करते हैं। उन्हें फॉलो कीजिए और उनके बारे में जानिए। उनकी तारीफ कीजिए, प्रिय अमर कौशिक सर, मोस्ट अवेटेड ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म देने के लिए थैंक्यू।'

अजब-गजब | इसे कहा जाता है दुनिया की सबसे भूतिया गुड़िया

सिर्फ शादीशुदा पुरुषों को ही परेशान करती है यह गुड़िया, 17 मर्द हो चुकें हैं इसका शिकार

हॉलीवुड और बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जिसमें भूतिया डॉल्स की कहानी का जिक्र है, भूतिया गुड़िया को दिखाया जाता है। पर वो काल्पनिक कहानियां होती हैं, जिनका सच से कोई वास्ता नहीं है। हालांकि, इंग्लैंड में इन दिनों एक गुड़िया के चर्चे हैं, जिसे हकीकत में भूतिया बताया जा रहा है। लोगों का दावा है कि इस गुड़िया के अंदर धोखा खाई किसी दुल्हन की आत्मा है, इस वजह से सिर्फ शादीशुदा मर्दों को ही परेशान करती है। 1-2 नहीं, बल्कि 17 पुरुषों ने दावा किया है कि उन्हें इस गुड़िया कि वजह से समस्या झेलनी पड़ी है।

पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर ली स्टीयर 37 साल के हैं। उन्होंने 'एलिज़ाबेथ' नाम की एक गुड़िया ई-बे से खरीदी थी। उसकी कीमत 93 हजार रुपये थी। साउथ यॉर्क्स के रॉदरहैम में उनका एक म्यूजियम है, जहां वो भूतिया चीजों की प्रदर्शनी लगाते हैं। उन्होंने गुड़िया खरीदकर उसी म्यूजियम में रख दिया और लोग उसे देखने भी आने लगे। पर उन्होंने दावा किया कि वो एक दिन म्यूजियम में गुड़िया के पास ही

खड़े थे, जब अचानक उन्हें उनकी पीठ पर जलन सी महसूस हुई। उन्हें लगा कि किसी ने उनकी पीठ पर पेंटाग्राम के आकार बनाया है।

हैरानी तो तब हुई जब म्यूजियम में आने वाले पुरुष भी इसी बात का दावा करने लगे। ली का दावा है कि उनके अलावा करीब 16 लोगों ने उनसे कभी न कभी इस बात का जिक्र किया कि उन्हें भी पीठ पर जलन सी मेहसूस हुई और ऐसा लगा जैसे किसी ने पीठ पर कुछ लिखा। हैरानी ये भी है कि वो सारे ही शादीशुदा मर्द थे। ली ने कहा कि वो अपनी पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेशन पार्टनर साराह कार्टर के साथ म्यूजियम में मौजूद थे, जब उन्हें वो एहसास हुआ। यानी वो गुड़िया महिलाओं को नुकसान नहीं पहुंचाती। कई लोगों ने ये भी दावा किया है कि गुड़िया के अंदर शक्तियां हैं, जिससे वो सामानों को हिला देती है, और सीसीटीवी या मोबाइल वीडियोज को भी बदल देती है।

लोगों का मानना है कि शायद उस गुड़िया के अंदर किसी दुल्हन की आत्मा है जिसे पुरुषों ने बुरी तरह से ट्रीट किया होगा, इस वजह से वो शादीशुदा मर्दों से चिढ़ती है। कई लोगों को तो लगता है कि शायद उसकी शादी में कई समस्याएं आई होंगी, जिसकी वजह से वो अपने पति से नफरत करती होगी। म्यूजियम में आने वाले कई अन्य लोगों ने कहा कि उन्हें कभी लगा कि किसी ने उनकी शर्ट खींचा तो किसी ने कहा कि उसने एक परछाई को सफेद ड्रेस में देखा है।

200 साल से सही समय बता रही है ये घड़ी, बैटरी की नहीं पड़ती जरूरत

बागपत के मुख्य बाजार में स्थित नवाबों की हवेली, जो लगभग 200 साल पुरानी है, अपनी अनोखी सोलर घड़ी के लिए प्रसिद्ध है। यह घड़ी हवेली के टॉप फ्लोर पर बनाई गई है, जो सूर्य की किरणों के माध्यम से सटीक समय बताती है। इस अद्वितीय घड़ी को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं।

इस हवेली का निर्माण नवाब शौकत अली के परिवार द्वारा करवाया गया था, और अब इसमें उनकी पांचवीं पीढ़ी निवास करती है। हवेली का निर्माण छोटे साइज की ईंटों से किया गया था, जब सीमेंट का उपयोग नहीं होता था। आज भी यह हवेली अपनी पुरानी शान में बरकरार है।

नवाब शौकत अली पांच वक्त की नमाज अदा करते थे, जिसके लिए उन्हें समय की सटीक जानकारी की आवश्यकता होती थी। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए राजस्थान से कारीगर बुलवाकर इस सोलर घड़ी का निर्माण कराया गया। हवेली के वारिस नवाब अहमद हमीद के परिवार ने इस धरोहर को संजोए रखा है।

हवेली का राजनीतिक इतिहास भी उतना ही समृद्ध है। नवाब कोकब हमीद, जो इस हवेली के पूर्व मालिक थे, पांच बार बागपत के विधायक और मंत्री रह चुके हैं। इंदिरा गांधी भी इस हवेली में उनसे मिलने आई थीं।

इस सोलर घड़ी की विशेषता यह है कि यह धूप और रात्रि के प्रकाश से संचालित होती है और सटीक समय बताती है। इस अनोखी धरोहर को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं और इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं।

कोलकाता रेप कांड पर सुप्रीम फटकार

वारदात देशभर में सिस्टेमेटिक फेल्योर, बंगाल सरकार से भी शीर्ष कोर्ट नाराज

» गुरुवार तक सीबीआई रिपोर्ट सौंपे

» प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से काम पर लौटने का आग्रह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट, कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक जूनियर डॉक्टर से कथित बलात्कार और हत्या के मामले में सुनवाई कर रहा है। स्थिति को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टास्क फोर्स का गठन किया है। सुनवाई के दौरान डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि ये सिर्फ कोलकाता में हत्या का मामला नहीं, ये मुद्दा देशभर में डॉक्टरों की सुरक्षा का है। अदालत ने इस मामले में स्वत: संज्ञान लिया है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ इस मामले पर सुनवाई कर रही है।

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर स्वत: संज्ञान मामले में उसे भी पक्षकार बनाए जाने का अनुरोध किया है।

पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज

कोलकाता पुलिस ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है, जहां 31 वर्षीय स्नातकोत्तर जूनियर डॉक्टर का बलात्कार और हत्या का मामला सामने आया है. राज्य पुलिस सरकारी अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रही है, यह मामला जून में एक शिकायत दर्ज होने के बाद से जांच के दायरे में है. पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष से सीबीआई आज भी पूछता करेगी। सीबीआई ने सोमवार को 13 घंटे उनसे पूछताछ की थी। ये लगातार पांचवां दिन है, जब संदीप घोष से पूछताछ की जा रही है. सीबीआई ने अब तक 4 दिनों में लगभग 53 घंटे संदीप घोष से पूछताछ की है।

नेशनल टास्क फोर्स का गठन करने का फैसला

पीड़िता की तस्वीरें व नाम सोशल मीडिया पर प्रसारित होने से सीजेआई चिंतित

सीजेआई ने सुनवाई के दौरान मृतका की पहचान उजागर होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हम पीड़िता की तस्वीरें व नाम पूरे सोशल मीडिया पर प्रसारित होने से बहुत चिंतित हैं। ये वारदात देशभर में सिस्टेमेटिक फेल्योर है। हम इस बात से बहुत चिंतित हैं कि पीड़िता का नाम और मृतक की फोटो, वीडियो सभी मीडिया में प्रकाशित हो रहे हैं। ग्राफिक में उसका शव दिखाया गया है, जो घटना के बाद का है, अदालत के फैसले हैं, जो कहते हैं कि यौन पीड़ितों के नाम प्रकाशित नहीं किए जा सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए नेशनल टास्ट फोर्स गठित कर रहे हैं। साथ ही कोर्ट ने सीबीआई से जांच रिपोर्ट मांगी। ये रिपोर्ट कोर्ट में आगामी गुरुवार तक जमा करानी है। कोर्ट ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे काम पर लौटें। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हम अदालत का सहयोग करना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश हुए वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया, हमने इस मामले में 50 एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस के पहुंचने से पहले ही सभी फोटो और वीडियो ले लिए गए थे। इस पर सीजेआई ने कहा, यह भयानक है, क्या हम इस तरह से सम्मान देते हैं? सीजेआई ने कहा, हर जगह पीड़िता की पहचान उजागर हुई, जबकि ऐसा नही होना चाहिए था। सीजेआई ने पश्चिम बंगाल से पूछा, क्या प्रिंसिपल ने हत्या को आत्महत्या बताया? क्या पीड़िता के मातपिता को सूचना देर से दी है. उन्हें मिलने नहीं दिया गया?

ये भारत भर में डॉक्टरों की सुरक्षा का मुद्दा : चंद्रचूड़

कोलकाता रेप-मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, हम जानते हैं कि हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई शुरू की है, लेकिन हमने ये केस लिया है, इसका एक कारण है। दरअसल, ये मुद्दा भारत भर में डॉक्टरों की सुरक्षा का है,

ये सिर्फ कोलकाता में एक हत्या का मामला नहीं है। हमें डॉक्टरों, खासकर महिला डॉक्टर और युवा डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर चिंता है। हमने पाया कि वहां कोई ड्यूटी रूम नहीं है, हमें उनके कार्यस्थल पर सुरक्षित स्थितियों के लिए एक राष्ट्रीय सहमति और प्रोटोकॉल विकसित करना चाहिए। हम जानते हैं कि वे सभी इंटर्न, रेजिडेंट डॉक्टर और सबसे महत्वपूर्ण महिला डॉक्टर हैं। अधिकांश युवा डॉक्टर 36 घंटे काम कर रहे हैं। हमें काम की सुरक्षित स्थिति सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रीय प्रोटोकॉल विकसित करना होगा। ऐसा प्रोटोकॉल सिर्फ पेपर पर नहीं बल्कि जमीन पर हो।

धरना

69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी विधानसभा का घेराव कर रहे हैं। हाईकोर्ट का आदेश आने के बाद भी सरकार द्वारा नियुक्ति का शेड्यूल जारी न होने से नाराज अभ्यर्थियों का आज से आंदोलन शुरू कर दिया है।

राहुल गांधी ने पिता को दी पुष्पांजलि

» पूर्व पीएम राजीव गांधी की 80वीं जयंती पर वीर भूमि पर कांग्रेस नेताओं ने पुष्प किए अर्पित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज (20 अगस्त) देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती है। इस मौके पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपने दिवंगत पिता राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देने उनके समाधि स्थल वीर भूमि पहुंचे। यहां पर उन्होंने भारी बारिश के बीच अपने दिवंगत पिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान राहुल गांधी के साथ रॉबर्ट वाड्रा और उनके बेटे भी साथ रहे। इस मौके पर उनके साथ कई कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

बता दें कि अपनी मां, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी ने 1984 में कांग्रेस पार्टी की बागडोर संभाली थी। वो अक्टूबर 1984 में 40 वर्ष की आयु में भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने थे। वो 2 दिसंबर 1989 तक प्रधानमंत्री पद पर थे। 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक चुनावी रैली के दौरान लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के एक सदस्य ने राजीव गांधी की हत्या कर दी थी। जैसा की पता है कि पूर्व पीएम ने देश का आगे बढ़ाने में अपना अभूतपूर्व योगदान दिया था आज भारत जो कम्प्यूटर क्रांति में अग्रणी हैं उन्ही का विजन था।

राहुल गांधी के साथ रॉबर्ट वाड्रा और उनके बेटे ने भी दी पुष्पांजलि

पीएम मोदी ने भी दी श्रद्धांजलि

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि।

मल्लिकार्जुन खरगे ने किया याद

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, आज देश सद्भावना दिवस मना रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री, राजीव गांधी, भारत के महान सपूत थे. उन्होंने करोड़ों भारतीयों में आशा की किरण जगाई और अपने अभूतपूर्व योगदान से भारत को 21वीं सदी में पहुंचा दिया।

लेटरल एंट्री को लेकर विपक्ष के निशाने पर सरकार

» तेजस्वी ने सरकार की मंशा पर उठाए सवाल

» राहुल-अखिलेश बोले- सरकार का यह फैसला आरक्षण विरोधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले दरवाजे से लाकसेवा आयोग में (लेटरल एंट्री) के जरिये प्रशासनिक पदों पर विषय विशेषज्ञों की नियुक्ति के मामले को लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष में वार-पलटवार तेज हो गया है। विपक्षी पार्टी समेत एनडीए के कई घटक दलों ने भी सरकार के फैसले की आलोचना की है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का कहना है कि सरकार का यह फैसला आरक्षण विरोधी है।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी इसपर आपत्ति जताया है। उन्होंने कहा भाजपा आरक्षण खत्म करने की साजिश कर रही है। मैं इसका पूरे जोर शोर के साथ विरोध करता हूं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी इसको दलित व ओबीसी विरोधी बताते हुए इसके खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है। भाजपा अपनी विचारधारा के लोगों को पिछले दरवाजे से यूपीएससी के उच्च सरकारी पदों पर बैठाने की जो साजिश कर रही है, उसके खिलाफ एक देशव्यापी आंदोलन खड़ा करने का समय आ गया है। यूपीएससी लेटरल भर्ती यूपीएससी ने अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों में निदेशक, संयुक्त सचिव और उप सचिव के 45 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन निकाला है। यह भर्तियां लेटरल एंट्री के तहत की जाएंगी। वहीं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने यूपीएससी लेटरल भर्ती पर एतराज जताया है।

कांग्रेस भी कर चुकी है ऐसी भर्तियां : अश्विनी वैष्णव

अश्विनी वैष्णव ने राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा , मनमोहन सिंह की 1976 में वित्त सचिव के पद पर नियुक्ति किस व्यवस्था के तहत हुई थी? तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आर्थिक विशेषज्ञ के रूप में मनमोहन सिंह को सीधे वित्त सचिव बनाया था, जो बाद में वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री भी बने। अश्विनी वैष्णव ने आगे कहा, कांग्रेस शासन में सैम पित्रोदा, वी कृष्णमूर्ति, अर्थशास्त्री बिमल जालान, कौशिक बिरमानी, रघुराम राजन जैसे लोगों को सरकार में शामिल किया गया।

उन्होंने कहा है कि मेरी पार्टी पूरी तरीके से इस तरीके की नियुक्तियों को लेकर अपनी सोच स्पष्ट करती है। उन्होंने कहा कि कहीं पर भी अगर सरकारी नियुक्तियां होती हैं तो उसमें आरक्षण के प्रावधानों का पालन होना चाहिए।

एक शाम 4PM के जश्न के नाम

» स्वरा, अविनाश व फजल ने साझा किए अपने अनुभव

» 4पीएम म्यूजिक की लांचिंग पर खुशी से झूमे दर्शक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रविवार की शाम 4 पीएम के नाम रही। 60 लाख सब्सक्राइबर पूरे होने के जश्न व 4 पीएम म्यूजिक लॉचिंग के अवसर पूरे भारत से नामीगिरामी लोग अदब के शहर लखनऊ की सरजमीं पर शामिल हुए। 4पीएम न्यूज नेटवर्क के संपादक व जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार सजंय शर्मा ने सभी मेहमानों का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि पूर्व सीएम व सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर 4 पीएम के साथ अपने

अनुभव साझा किए उन्होंने कहा कि 4 पीएम इकलौता मीडिया हाउस है जो नॉट फॉर पीएम है। बाकी सब के बारे में सबको पता है। इस अवसर पर फिल्म निर्देशक अविनाश दास ने कहा कि मीडिया आज अपने रास्ते से भटक गया है वह बस सत्ता का गुणगान कर रहा है जो लोकतंत्र के लिए घातक है। वहीं फिल्म अभिनेत्री स्वरा भाष्कर ने कहा कि आज के दौर में सच्चाई न दिखाना ही आगे बढ़ने का माध्यम बन गया है जो अनुचित है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाला समय फिर अच्छा आएगा। पंचायत ओटीटी सीरीज से चाचा के नाम से मशहूर फजल मलिक ने भी अपने विचार साझा किए। अपनी आवाज से सबका मन मोहने वाले गायक उद्धव ओझा ने अपी गायिकी से माहौल में चार चांद लगाए। इस जश्न में 4पीएम संस्थान के सभी कर्मियों व मेहमानों भी ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।